THE SCHOOL PRAYER

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुः साक्षात् परब्रह्मः तस्मै श्री गुरवे नमः ।।
त्वमेव माता च पिता त्वमेव,
त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव ।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव,
त्वमेव सर्वम मम देव-देव ।

Almighty God, our loving Father, we love you above all things. We offer to you all our thoughts and actions and ask you to bless us during this day. Help us so that we may always know love and serve you better and be eternally happy with you in heaven. Forgive our shortcomings and give us the courage to follow the path of truth always.

PLEDGE

India is my country. All Indians are my brothers and sisters. I love my country and I am proud of its rich and varied heritage. I shall always strive to be worthy of it.

I shall give my parents, teachers and all elders respect and treat everyone with courtesy.

To my country and my people I pledge my devotion. In their well being and prosperity alone lies my happiness.

THE SCHOOL SONG / विद्यालय गीत

घाटशिला में बना विद्यालय,
नाम संत नन्दलाल है ।
यहाँ हम करेंगे पठन-पाठन,
यह विद्या की खान है ।
सत्य की राह पर चल कर,
बहेंगे भाव की गंगा में ।
मन अपना निर्मल कर,
ज्ञान की ज्योति जगायेंगे ।।
प्रेम भाव की गंगा बहा कर,
डुबकी उसमें लगाना है ।
धुल जाये सारे पाप हमारे,
बच्चे तेरे ही कहलाना है ।।
हे ज्योतिर्मय ! आनन्द घन,
तेरी सर्वत्र जय जयकार हो ।
हम बच्चों का भविष्य बस,
तुमको ही तो बनाना है ।।
क्या है हमारी हस्ती,
कि हम कुछ बखान करें ।
तेरे ही चरणों में केवल,
हमको समा जाना है ।।

सरस्वती वन्दना

वर दे वीणावादिनि, वर दे।
प्रिय स्वतंत्र-रव, अमृत-मंत्र नव, भारत में भर दे।
काट अंध उर के बन्धन-स्तर,
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष-भेद-तम हर, प्रकाश भर, जगमग जग कर दे
नव गति, नव लय, ताल छन्द नव,
नवल कंठ, नव जलद-मन्द्र रव,
नव नभ के नव विहग-वृंद को नव पर, नव स्वर दे।
वर दे, वीणावादिनि, वर दे।